कोटद्वार, गुरूवार
18 जुलाई 2024
वर्षः 46
अंकः 84 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

झबरेड़ा में दो कारों की टक्कर में दो लोगों की मौत

रुड़की। लखनोता चौकी क्षेत्र के गांव गोकुलपुर के पास दो कारों की आमने–सामने जबरदस्त टक्कर हो गई टक्कर होने पर एक कार में सवार राहुल 28 वर्षीय निवासी सिमलाना थाना बड़गांव सहारनपुर उत्तर प्रदेश और दूसरी कर में सवार जनेश्वर 60 वर्षीय निवासी मोहनपुरा मोहम्मदपुर रुड़की की मौके पर ही मौत हो गई। जनेश्वर के साथ कार में सवार दीपक निवासी ग्राम लहबोली, अंकित निवासी, अतुल निवासी थाना लक्सर और अंकित निवासी कनखल हरिद्वार गंभीर रूप से घायल हो गए। लखनौता चौकी इंचार्ज नीरज रावत ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल रुड़की भेज दिया गया और सूचना परिजनों को दी गई है।

हल्द्वानी से टनकपुर जा रही रोडवेज बस में लगी आग

हल्द्वानी। रोडवेज बस अड्डे से टनकपुर के लिए रवाना हुई यात्रियों से भरी बस में बुधवार को चोरगलिया रेलवे क्रॉसिंग के पास अचानक धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को तुरंत रोक दिया और यात्रियों को उतारा। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के वक्त बस में करीब 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे टनकपुर डिपो की एक बस हल्द्वानी बस अड्डे से यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इस बस में चोरगलिया रेलवे क्रॉसिंग के पास अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते धुआं बस के अंदर भर गया, जिससे खौफजदा यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। बस में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। बस चालक ने तुरंत ही बस को रोका और यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारा। हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र बिष्ट ने बताया कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से बस में धुआं उठने की बात सामने आ रही है। इन यात्रियों को दूसरी बस से टनकपुर रूट पर भेजा गया। घटना की सूचना टनकपुर डिपो को दे दी गई है।

तेज बारिश से दून के कई इलाकों में जलभराव ने बढ़ाई परेशानी

देहरादून। दून शहर के विभिन्न इलाकों में बुधवार को तेज बारिश हुई। इसके बाद आईएसबीटी, चंद्रबनी समेत कई इलाकों में जलभराव हुआ। इससे वाहन चालकों, राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं आपदा कंट्रोल रूम में तैनात नगर निगम के कर्मचारियों ने देर शाम तक कई इलाकों में पानी की निकासी करवाई। नगर आयुक्त ने सभी टीमों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। चोयला चंद्रबनी में बारिश का पानी लोगों के घरों में आ गया। निवर्तमान पार्षद सुखबीर सिंह बुटोला ने बताया कि चंद्रबनी खालसा से चोयला द्वारिका पुरी, अमर भारती, प्रभु कॉलोनी, कैलाशपुर आदि क्षेत्रों में कई जगह भारी बारिश होने के कारण नाले उफान पर आ गए थे। इसी कारण कई घरों में बारिश का पानी आ गया। इससे कुछ घरों में घरेलू सामान खराब हुआ है और वाहनों में खराबी आई है। लोगों ने नालों की सफाई नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई है। साथ ही क्षतिग्रस्त पुश्तों की मरम्मत करवाने की मांग की है। आईएसबीटी के बाहर बारिश का पानी सड़क पर जमा होने से वाहन चालकों, राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए 125 बेड आरक्षित

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में डेंगू मरीजों के इलाज की तैयारी शुरू कर दी गई है। अस्पताल में 125 बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं।

डॉ. जसकरण बजाद को अस्पताल का डेंगू नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रेरक मित्तल ने बताया कि अस्पताल में डेंगू की एलाइजा एवं रैपिड दोनों तरह की जांच उपलब्ध है। बुधवार को डेंगू को लेकर अस्पताल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। सभी प्रमुख विभागों के विभागाध्यक्षों से मंथन किया गया। इमजरेंसी व ब्लड बैंक के अधिकारियों को भी दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी टीमों को अलर्ट रहने के लिए निर्देशित किया।

हाथरस हादसाः साकार हरि ने तोड़ी चुप्पी

बोले— होनी को कौन टाल सकता, जो आया है... उसे जाना है

कांसगंज। हाथरस हादसे पर साकार हरि ने चुप्पी तोड़ी। कहा कि होनी को कौन टाल सकता, जो आया है...उसे जाना है। हम लोगों को कानून और जांच टीम पर पूरा भरोसा है। हाथरस हादसे के बाद एक बार फिर भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल मीडिया के कैमरे के सामने आए। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई की घटना से मैं दुखी और उदास हूं। लेकिन, जो होना तय है, उसे कौन रोक सकता है। जो आया है उसे एक न एक दिन जाना ही है। डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें जहरीले स्प्रे के बारे में बताया है। उसके अनुसार यह सच है कि इसमें निश्चित रूप से कोई साजिश है। हमारे अनुयायियों को एसआईटी और न्यायिक आयोग पर पूरा भरोसा है। टीम सच्चाई सामने लाएगी। बताते चलें कि हाथरस के सिकंदराराऊमें 2 जुलाई को भोले बाबा उर्फ साकार हरि ने सत्संग किया था। इसमें करीब 2.5 लाख लोग शामिल हुए। सत्संग के समापन के समय भगदड़ मच गई। इसमें 121 श्रद्धालुओं की जान चला गई। इसके बाद से बाद से मामले में एसआईटी जांच कर रही है।अब बुधवार को भोले बाबा उर्फ साकार हरि अपने पैतृक गांव कासगंज के बहादुरनगर में बने आश्रम पहुंच गए हैं। उनके वकील एपी सिंह ने यह जानकारी दी। गांव में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आश्रम के बाहर सेवादारों का भी कड़ा पहरा है।

साकार हरि विश्व उर्फ भोले बाबा ने अपना पहला आश्रम अपने पैतृक गांव बहादुर नगर में वर्ष 1999 में स्थापित किया था। इसके बाद अन्य आश्रम बनाने का सिलसिला शुरू हुआ, लेकिन अपने पैतृक गांव के आश्रम में बाबा पिछले करीब 12 वर्षों से नहीं पहुंचे थे। बुधवार को वह अचानक अपने पैतृक गांव स्थित आश्रम में अपने अधिवक्ता के साथ पहुंचे और सीधे अंदर चले गए। इस दौरान उनके दर्शनों के लिए काफी संख्या में अनुयायी मौजूद रहे। हाथरस हादसे के बाद भोले बाबा बुधवार को पहली बार इस आश्रम में पहुंचे।

जल जीवन मिशन घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, पूर्व मंत्री का करीबी गिरफ्तार

जयपुर ,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान के जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में पूर्व जल आपूर्ति मंत्री महेश जोशी के एक करीबी सहयोगी संजय बड़ाया को गिरफ्तार किया है। इस मामले में धन शोधन कानून की धाराओं के तहत ईडी द्वारा की गई यह चौथी गिरफ्तारी है। ईडी सूत्रों ने बताया कि बड़ाया को मंगलवार देर शाम अदालत में पेश किया गया और उन्हें चार दिन की रिमांड पर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बड़ाया को सुबह 9 बजे ईडी कार्यालय बुलाया गया था और करीब पांच घंटे तक उनसे पूछताछ की गई। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें कुछ ऐसे सबूत और दस्तावेज मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि बड़ाया इस घोटाले से संबंधित धन शोधन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि पिछले साल सितंबर में जयपुर में 18 से 20 स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान अवैध रूप से अर्जित धन के बारे में जानकारी मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि संजय बड़ाया निजी ठेकेदारों और बिचौलियों के संपर्क में थे और पीएचईडी अधिकारियों की ओर से रिश्वत ले रहे थे। वह अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच कड़ी की भूमिका निभा रहे थे।

विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार को बड़ा झटका

चार नेताओं ने छोड़ी पार्टी, शरद पवार गुट में हो सकते हैं शामिल

मुंबई ,महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चाचा शरद पवार ने भतीजे अजित पवार की एनसीपी में बड़ी सेंधमारी की है। अजित पवार को उनके ही चार टॉप नेताओं ने गच्चा दे दिया है। अजित गुट के चार बड़े नेताओं ने पार्टी को बाय–बाय कह दिया है। ये चारों नेता अब शरद पवार वाले गुट में शामिल हो सकते हैं।

अजित पवार गुट छोडने् वाले नेताओं में पिंपरी–चिंचवड इकाई के प्रमुख अजित गव्हाणे, पिंपरी छात्र इकाई के प्रमुख यश साने, पूर्व नगरसेवक राहुल भोसले और पंकज भालेकर शामिल हैं। ये सभी इस वीकेंड तक शरद पवार की गुट में शामिल होंगे। अजित की पार्टी में सेंधमारी करके चुनाव से ठीक पहले शरद पवार ने अपने सियासी पावर का परिचय दिया है।

हृष्टक्क नेता अजित गव्हाणे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा, ह्यमैंने हृष्टक्क (अजित गुट) छोड़ दी है। मैंने पार्टी अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजित पवार गुट वाली एनसीपी के कई अन्य पदाधिकारी, पूर्व नगरसेवक और नेता भी पार्टी छोडने् की तैयारी में हैं। गव्हाणे का दावा है कि ये सभी उनका समर्थन कर रहे हैं। गव्हाणे ने आगे कहा कि वह बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और अजित पवार का साथ छोडने् के पीछे के कारणों का खुलासा करेंगे। लेकिन, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या वह शरद पवार के खेमे में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, ह्यआपको पता चल जाएगा कि मैं किस पार्टी में शामिल हो रहा हूं, मैं आज कुछ नहीं बताऊंगा।

अजित गुट को बाय–बाय कहने वाले इन नेताओं की शरद पवार गुट में वापसी में कोई मुश्किल नहीं है। पिछले महीने ही शरद पवार ने कहा था कि वह उन लोगों को स्वीकार नहीं करेंगे जो उनकी पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, मगर उन नेताओं को शामिल करेंगे जो पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। इस तरह से शरद पवार ने संकेत दे दिया था कि वह अजित गुट के नेताओं को भी अपनी पार्टी में आने देने से परहेज नहीं करेंगे।

पिथौरागढ़ में भारी बारिश से नदी—नाले उफान पर

मुनस्यारी में सड़क पर बह रहे गधेरे ने लिया रौद्र रूप

धारचूला। धारचूला नगर से छह किलोमीटर पहले निंगालपानी के पास बीती रात्रि दस बजे विशाल पहाड़ी भारी बारिश के चलते दरक गई। पहाड़ी का मलबा गिरने से मार्ग बंद हो गया है। मार्ग बंद होने से धारचूला से जौलजीबी, गोरीछाल, डीडीहाट, पिथौरागढ़ के लिए आवागमन करने वाले वाहन फंस गये। मार्ग बंद होने की सूचना पर पुलिस, राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। बुधवार की सुबह मार्ग नहीं खुलने से सैकड़ों वाहन फंसे रहे। जरूरी यात्रा पर निकले लोगों ने पैदल चलकर मलबा पार कर दूसरी ओर से वाहन पकड़े। नगर के खड़ी गली में सीवर लाइन चोक हो जाने से गंदा पानी पूरे बाजार में फैल गया, जिससे बुधवार को लोगों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ी।

बुंगबुंग सिमखोला के ठुलीगाड़ में बना 40 मीटर लंबा पैदल पुल झुक गया है। पुल कभी भी धराशायी हो सकता है। पुल टूटने पर ग्राम सभा के दर्जनों गांवों को दिक्कत झेलनी पड़ेगी।

बारिश से गधेरे उफान पर

तहसील क्षेत्र में भारी बारिश से गधेरों ने रौद्र रूप ले लिया है। साईपोलू गांव में भारी बारिश के चलते बहादुर सिंह का दो कमरों का मकान ध्वस्त हो गया है। परिवार जनों के समय रहते मकान छोड़ देने से बड़ा हादसा टल गया। परिवार के सदस्यों ने गांव में ही दूसरे व्यक्ति के मकान में शरण ले रखी है।

मदकोट– दूनामानी मोटर मार्ग में गोरीपुल से 200 मीटर आगे बहने वाले नाले ने रौद्र रूप से लिया है। नाले में और पानी बढ़ने पर भारी नुकसान संभव है। मोतीघाट– गोल्फा मोटर मार्ग पर जगह–जगह भूस्खलन से सड़क बाधित हो गई है।

कंचनजंगा ट्रेन हादसे में लोको पायलट को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली ,पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस की मालगाड़ी ट्रेन से टक्कर हो गई थी। ये ट्रेन सियालदाह जा रही थी। इस घटना में पैसेंजर ट्रेन के गार्ड और मालगाड़ी के लोको पायलट अनिल कुमार समेत 10 लोगों की मौत हो गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया डॉट कॉम में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, अब कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे में जान गंवाने वाले लोको पायलट अनिल कुमार के परिवार को आखिरकार न्याय मिल गया है।

रेलवे सुरक्षा के मुख्य आयुक्त की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 17 जून को हुए हादसे के लिए दोषी नहीं पाया है।अनिल कुमार पर आरोप लगने को लेकर उनकी पत्नी रोशनी कुमार का बयान सामने आया है।

उन्होंने कहा कि ट्रेन हादसे के कुछ ही घंटों के अंदर मेरे पति को दोषी ठहरा दिया गया था। पत्नी ने आगे कहा, हम उनकी मौत का गम भुला नहीं पाए थे, इसके तुरंत बाद ही ट्रेन हादसे के लिए अनिल को मौत का जिम्मेदार ठहराने के बाद हम सदमे में आ गए थे। अब हमें खुशी है कि रेलवे ने उचित जांच की और उन्हें निर्दोष पाया। अब उनकी आत्मा को शांति मिलेगी।

देवभूमि उत्तराखण्ड में प्रतिभाओं की कमी नहीं : धामी

सीएम धामी ने राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों से चयनित 212 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों से चयनित 212 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों के अंतिम वर्ष के इन छात्र-छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी मिली है। इस वर्ष अभी तक राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों से 65 प्रतिशत युवाओं को रोजगार मिल चुका है। ख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना, विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। देवभूमि उत्तराखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, राज्य सरकार इन प्रतिभाओं को राज्य में सही दिशा और उचित अवसर देने का कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र सभी युवाओं के सपनों की पहली सीढ़ी है। यह परिश्रम और लगन से किए कार्य का सम्मान भी है। हर छात्र पूर्ण मनोयोग निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है

कि युवाओं को हर क्षेत्र में रोजगार के उचित अवसर मिलें। राज्य के अंदर निजी क्षेत्र भी रोजगार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गैर सरकारी औद्योगिक इकाइयों का विकास हमारी आर्थिक विकास का प्रमुख स्तंभ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में टेक्नोलॉजी, रोजगार, कौशल विकास के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। देश के अंदर हर क्षेत्र में नौजवानों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी को प्रथमिकता दी गई है। स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं से देश में नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों हेतु राज्य में ऑनलाइन ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर का निर्माण किया गया है। जिसके माध्यम से छात्रों को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोज़गार से जोड़ना है। बीते 3 सालों में राज्य सरकार ने सरकारी विभागों में 15000 से भी ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां दी है। राज्य में भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण रूप से पारदर्शी बनाया गया है। परीक्षा से लेकर नियुक्तियां तक तय समय के अंदर हो रही हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, अपर सचिव तकनीकी शिक्षा श्रीमती स्वाति भदौरिया, निदेशक तकनीकि शिक्षा आरपी गुप्ता, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता परक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं को सीधे रोजगार मिले इसके लिए औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकता के हिसाब से नये कोर्स चलाये जा रहे हैं। बच्चों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य के पॉलिटेक्निक कॉलेजों में फाइनल वर्ष के 3500 बच्चों में से 2303 बच्चों को रोजगार से जोड़ दिया गया है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है। युवाओं को अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर मिले इसके लिए सरकार ने राज्य के पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में जर्मन और फ्रेंच भाषा पढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

बजट से पहले हुई हलवा सेरेमनी, वित्त मंत्री ने बांटा हलवा

नई दिल्ली ,देश का बजट पेश होने में एक हफ्ते का समय रह गया है। इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार देश का बजट पेश करेंगी। केंद्रीय बजट 2024 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में मंगलवार को वित्त मंत्रालय यानी नॉर्थ ब्लॉक में हलवा सेरेमनी का आयोजन किया गया। बजट तैयार करने की ह्यलॉक–इनह्ल प्रक्रिया शुरू होने से पहले हर साल एक तय परंपरा के तहत हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हर बार बजट पेश किये जाने से करीब एक हफ्ते पहले वित्त मंत्री कढ़ाही में हलवा क्यों बनाती हैं? इसे बनाने और बांटने के पीछे क्या कारण है और यह परंपरा कब से चली आ रही है। आइए इस सबके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हलवा सेरेमनी की परंपरा आजादी से पहले से चली आ रही है। हलवा सेरेमनी का आयोजन बजट पेश करने की सभी तैयारियां पूरी होने के बाद किया जाता है। इस दौरान वित्त मंत्री के अलावा वित्त मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहते हैं। परंपरा के अनुसार हलवा सेरेमनी का आयोजन नॉर्थ ब्लॉक के नीचे बेसमेंट में किया जाता है। हलवा बनने के बाद बजट की छपाई शुरू होती है। जिस दिन हलवा सेरेमनी के दौरान हलवा बांटा जाता है, उसके बाद बजट प्रकाशित करने वाले कर्मचारी और अधिकारी वहीं पर रहते हैं।

नॉर्थ ब्लॉक में 10 दिन बंद रहते हैं कर्मचारी

वित्त मंत्री सचिवालय के नॉर्थ ब्लॉक में बड़ी कढ़ाई में हलवा बनाती हैं। इसके बाद हलवे को वहां मौजूदा अधिकारियों और कर्मचारियों में बांटा जाता है। हलवा सेरेमनी होने के बाद वित्त मंत्रालय के 100 से ज्यादा कर्मचारी 10 दिन तक नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में बंद रहते हैं। उनको वहां से बाहर जाने की परमिशन नहीं होती। इतना ही नहीं वे कर्मचारी अपने घर भी फोन पर बात नहीं कर सकते।

पति से बदला लेने के लिए मां ने मासूम को बेरहमी से पीटा

रुड़की। पति से मनमुटाव का बदला लेने के लिए पत्नी ने अपने आठ वर्षीय मासूम बच्चे को बेरहमी से पीटा। जबकि दूसरे बच्चे से मारपीट का वीडियो अपने फोन से बनवाया। वीडियो बनाकर महिला ने अपने पति को भेज दिया। पुलिस ने महिला और बच्चे को बाल कल्याण समिति हरिद्वार को सौंपा है। झबरेड़ा कस्बे में मंगलवार रात से एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक महिला अपने आठ वर्षीय बच्चे के ऊपर बैठकर बेरहमी से मारपीट करती नजर आ रही है। वीडियो में दिख रहा है कि बच्चा मां से रो रोकर बार–बार खुद को छोड़ने की गुहार लगा रहा है।

एसपी देहात एसके सिंह ने बताया कि महिला अपने पति से विवाद होने पर झबरेड़ा के एक मकान में किराए पर अलग रह रही है। महिला के दो बच्चे हैं। मनमुटाव के चलते पति की ओर से परिवार का पालन पोषण नहीं करने से महिला नाराज थी।

'सजा निलंबित करने के लिए मुआवजे की आधी राशि जमा करने की शर्त न्यायोचित नहीं'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि अपील के दौरान दोषी की सजा निलंबित करने के लिए मुआवजे की आधी राशि जमा करने की शर्त लगाना न्यायोचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया है, जिसमें अपील लंबित रहने के दौरान सजा निलंबित करते हुए सीआरपीसी की धारा 357 में तय मुआवजे की आधी राशि 1.43 करोड़ रुपये जमा कराने की शर्त लगाई गई थी।

पीठ ने क्या कहा?

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने बैंक से अमानत में खयानत (आपराधिक विश्वास भंग) के दोषी याचिकाकर्ता निखिल की याचिका स्वीकार करने वाले आदेश में यह बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि आईपीसी की धारा 357 के उद्देश्य और सुप्रीम कोर्ट के दिलीप एस. दहनुकर मामले में दिये गए पूर्व फैसले को देखते हुए हाई कोर्ट द्वारा सजा निलंबन के लिए मुआवजे की 50 फीसद राशि जमा कराने की शर्त लगाना न्यायोचित नहीं है।

हाई कोर्ट ने दिया था ये आदेश

इस मामले में हाई कोर्ट ने माना था कि दोषी का जुर्म साबित हुआ है और अदालत ने सजा के साथ 2.86 करोड़ मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। हाई कोर्ट का कहना था कि गड़बड़ियां और अपराध गंभीर है। बैंक के वास्तविक उपभोक्ता अपनी अधिकृत राशि का लाभ लेने से वंचित हुए हैं इसलिए अभियुक्त की सजा निलंबित करते वक्त मुआवजा राशि का 50 फीसद हिस्सा जमा कराने की शर्त लगाना न्याय के हित में होगा।

निचली अदालत ने सुनाई थी इतने सालों के लिए जेल की सजा

महाराष्ट्र के इस मामले में अभियुक्त निखिल को निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 409 (आपराधिक विश्वास भंग) और 201 के जुर्म में चार वर्ष छह महीने के कारावास की सजा सुनाई गई थी। साथ ही अदालत ने दोषी को सीआरपीसी की धारा 357 के तहत 2.86 करोड़ रुपये मुआवजा भी अदा करने का आदेश दिया था।

'जेलों में समलैंगिक समुदाय के साथ न हो कोई भेदभाव'

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जेलों में समलैंगिक समुदाय (एलजीबीटीक्यू+) के साथ होने वाले भेदभावों को रोकने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किया है। गृह मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में सभी राज्यों /केंद्र शासित प्रदेशों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि समलैंगिक समुदाय (एलजीबीटीक्यू+) के सदस्यों को जेल में समान अधिकार मिले और वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच में कोई भेदभाव न हो। मंत्रालय ने इसे लेकर जारी आदेश में लिखा, 'गृह मंत्रालय (एमएचए) का निरंतर प्रयास रहा है कि कुशल जेल प्रशासन के विभिन्न पहलुओं पर सर्वोत्तम अभ्यास और प्रबंधन के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंचें और समसामयिक दिशा–निर्देश साझा करें।'

लिंग के आधार पर होता है भेदभावः मंत्रालय

गृह मंत्रालय ने आगे लिखा, 'मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि समलैंगिक सदस्य समुदाय (छ्ळ्ळ+) के साथ अक्सर उनके लिंग के कारण भेदभाव किया जाता है। पहचान या यौन रुझान के कारण अक्सर हिंसा और अनादर का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह यह सुनिश्चित करने के लिए कि समलैंगिक समुदाय तक वस्तुओं और सेवाओं के पहुंचने में कोई भेदभाव न हो, विशेषकर जेल मुलाक़ात अधिकारों के संदर्भ में, निम्नलिखित दिशा–निर्देश दोहराए जाते हैं।'

अमरनाथ यात्रा : 18 दिनों में 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

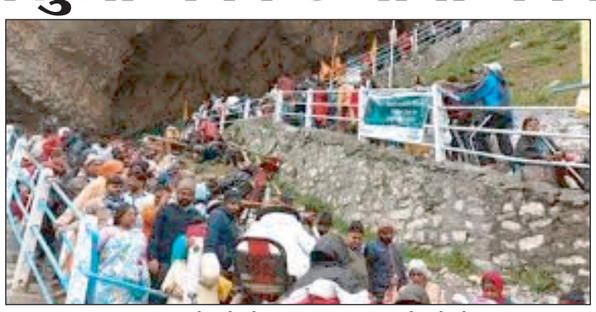

जम्मू ,अमरनाथ यात्रा जारी है और श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर उत्साह भी बरकरार है। जानकारी के अनुसार, यात्रा के शुरू होने के बाद से अब तक 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं।

वार्षिक यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से पिछले 18 दिनों में 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा मंदिर के अंदर दर्शन किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 3,740 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, आज सुबह 3,740 यात्रियों को लेकर बसें जम्मू के भगवती नगर से घाटी के लिए रवाना हुई है। इस काफिले में सुरक्षा के मद्देनजर दो टीमें भी साथ हैं। इनमें से पहला सुरक्षा काफिला 55 वाहनों में 1,435 यात्रियों को लेकर सुबह 3:05 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 72 वाहनों में 2,305 यात्रियों को लेकर दूसरा काफिला सुबह 3:55 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ है। इस साल की यात्रा शुरू होने के बाद पहली बार अधिकारी बीमार यात्रियों के इलाज के लिए एक अनूठी ट्ट्र एंबुलेंस सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, इस एंबुलेंस सेवा का बालटाल और पहलगाम यात्रा मार्गों पर यात्रियों को ऊंचाई से होने वाली बीमारी या अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इस एंबुलेंस सेवा का इस्तेमाल करते हुए स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और पैरामेडिक्स ने अब तक दोनों यात्रा मार्गों पर 1,200 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया है।

संपादकीय

भारतीय मुहिम का असर

विश्व कप क्रिकेट की टी 20 प्रतियोगिता जीतने के बाद भारतीय टीम ने पूरे देश को जश्न मनाने का मौका दिया तो वहीं पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों की गतिविधियों को देखते हुए चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने से मना कर दिया है। भारत के ना से पाकिस्तान में होने वाली चैंपियन ट्रॉफी का आयोजन ही खटाई में पड़ गया है, हालांकि पाकिस्तान के खिलाड़ियों और नेताओं ने इस मुद्दे को लेकर भारत को उकसाने की बहुत कोशिश की लेकिन आतंकी हरकतें और खेल एक साथ नहीं चल सकता, यह संदेश देने का प्रयास पाकिस्तान को भारतीय टीम द्वारा किया गया है। काफी उम्मीद के साथ पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अपने देश में करने में कामयाबी हासिल की थी लेकिन कोई भी टीम पाकिस्तान की जमीन पर ना तो खुद को सुरक्षित समझती है और ना ही यहां मैच खेलने की इच्छुक है। पाकिस्तान में अगले साल अपनी सरजमीं पर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन करना है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं, हालांकि इसमें से कई सारी टीमें ऐसी हैं, जो पाक देश में जाकर खेलना नहीं चाहते हैं। सबसे पहले इसका विरोध टीम इंडिया ने किया था तो इसी कड़ी में पिछले दिनों अफगानिस्तान ने भी अपने कदम पीछे खींच लिए। पाकिस्तान अभी भारत और अफगानिस्तान को मनाने में ही लगा हुआ था कि अब एक और झटका पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लगा है और अब न्यूजीलैंड भी इस सूची में शामिल हो गई है। भारत की ही तरह नन्यूजीलैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में नहीं खेलना चाहती। स्पष्ट है कि इन टीमों के इस फैसले के पीछे सिर्फ और सिर्फ सुरक्षा कारण ही प्रमुखता से उठाए गए हैं। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2008 में पाकिस्तान में मैच खेला था लेकिन मुंबई हमलों के चलते भारत सरकार ने फिर कभी टीम इंडिया को पाकिस्तान जाकर क्रिकेट खेलने की इजाजत नहीं दी। पाकिस्तान का हिंसक अतीत अब आसानी से उसका पीछा छोड़ने वाला नहीं है और तमाम टीम में उसे अतीत को भी याद रखती आ रही है जिसमें साल 2009 में श्रीलंका टीम पाकिस्तान में खेल रही थी। 3 मार्च को उनकी टीम की बस गद्दाफी स्टेडियम लाहौर के पास खड़ी थी, कि 12 बंदूकधारी लोगों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना शुरु कर दिया। इस घटना ने पूरे खेल जगत को रख दिया था और यही से पाकिस्तान की क्रिकेट के बुरे दिन भी शुरू हो गए थे। आज स्थित है कि कोई देश पाकिस्तान में जाकर क्रिकेट नहीं खेलना चाहता और खुद पाकिस्तान की टीम भी विदेश में ही जाकर मैच खेल कर खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने का प्रयास कर रही है। भारत में तो पाकिस्तान का सीधा हस्तक्षेप है जिसके तहत लंबे समय से आतंकी घटनाओं को अंजाम देता आ रहा है और पिछले कुछ दिनों में तो पाकिस्तान से प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी अब सुरक्षा बलों पर हमले में लिप्त पाए गए हैं। इन परिस्थितियों में भारतीय टीम का पाकिस्तान में जाकर न खेलना भारतीय जन भावनाओं के ही अनुरूप है और इसमें किसी भी प्रकार से समझौता करना संभव नहीं है। पाकिस्तान को समझना चाहिए कि ऐसे दोगले व्यवहार से संबंध सुधरने वाले नहीं है और जल्द हालात नहीं सुधारे तो दूसरे क्षेत्रों में भी पाकिस्तान को बड़ा नुकसान होने वाला है।

पार्टियां और नेता अब प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि शत्रु

अजीत द्विवेदी

भारत की राजनीति इतनी विभाजित कभी नहीं रही, जितनी अभी है। पार्टियां और नेता एक दूसरे को अब राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं मान रहे हैं, बल्कि शत्रु मान रहे हैं। एक समय था जब कहा जाता था कि सब नेता मिले होते हैं। लोग देखते भी थे कि संसद में या विधानसभाओं में या राजनीतिक कार्यक्रमों में एक दूसरे के खिलाफ आग उगलने वाले नेता निजी कार्यक्रमों में एक दूसरे के गले मिलते थे। राजनीति से इतर उनके आपस में अच्छे संबंध होते थे। पक्ष और विपक्ष के नेता आपस में मिलते जुलते थे, बातें करते थे। लेकिन अब यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। अगर कहीं पक्ष और विपक्ष के नेताओं के एक दूसरे के प्रति सद्भाव दिखाने की तस्वीरें या खबरें आती हैं तो आश्चर्य ही होता है। ऐसी तस्वीरें आने पर नेता घबरा भी जाते हैं कि कहीं उनके आलाकमान को यह बात बुरी न लग जाए। असल में चुनावी फायदे के लिए वैचारिक और राजनीतिक विभाजन को निजी शत्रुता में बदलने की वजह से ऐसा हुआ।

पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एक सतत चलने वाले अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नेताओं को भ्रष्ट, परिवारवादी और निकम्मा ठहराना शुरू किया। इससे उनकी पार्टी के नेताओं की मजबूरी हो गई कि वे कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों के नेताओं से दूरी बनाएं। धीरे धीरे ऐसी स्थिति आ गई, जब भाजपा के नेता बढ़ चढ़ कर विपक्षी नेताओं को गालियां देने लगे ताकि अपनी स्वामीभक्ति साबित की जा सके। तो दूसरी ओर राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने नीतियों और सरकार के कामकाज की बजाय नरेंद्र मोदी को शत्रु मान कर सिर्फ उन्हीं को निशाना बनाने की रणनीति अपना ली।

पार्टियों और नेताओं के बीच शुरू हुआ यह विभाजन अब जमीनी स्तर पर मतदाताओं तक पहुंच गया है। अब नेता अपने खिलाफ मतदान करने वालों को अपना दुश्मन बताने लगे हैं और खुल कर कहने लगे हैं कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया। इसकी तीन मिसालें हैं, जो हाल की हैं। बिहार की सीतामढ़ी लोकसभा सीट से चुनाव जीते जनता दल यू के देवेश चंद्र ठाकुर ने नतीजों के बाद कहा कि वे मुस्लिम और यादव लोगों के काम नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने उनको वोट नहीं दिया है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम और यादव उनके पास आएंगे तो वे उनको चाय पानी करा देंगे लेकिन काम नहीं करेंगे। इसके बाद झारखंड की गोड्डा सीट से जीते भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर भाजपा को 60 फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले हैं वहां सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे, जिनकी लागत 50 से 60 लाख रुपए होगी। तीसरी मिसाल उत्तर प्रदेश की नतौर विधानसभा सीट से जीते भाजपा के ओम कुमार का है, जिन्होंने कहा है कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया है। वे नगीना सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे और हार गए थे।

ये तीन प्रतिनिधि घटनाएं हैं, जिनसे

पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एक सतत चलने वाले अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नेताओं को भ्रष्ट, परिवारवादी और निकम्मा ठहराना शुरू किया। इससे उनकी पार्टी के नेताओं की मजबूरी हो गई कि वे कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों के नेताओं से दूरी बनाएं। धीरे धीरे ऐसी स्थिति आ गई, जब भाजपा के नेता बढ़ चढ़ कर विपक्षी नेताओं को गालियां देने लगे ताकि अपनी स्वामीभक्ति साबित की जा सके। तो दूसरी ओर राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने नीतियों और सरकार के कामकाज की बजाय नरेंद्र मोदी को शत्रु मान कर सिर्फ उन्हीं को निशाना बनाने की रणनीति अपना ली। पार्टियों और नेताओं के बीच शुरू हुआ यह विभाजन अब जमीनी स्तर पर मतदाताओं तक पहुंच गया है। अब नेता अपने खिलाफ मतदान करने वालों को अपना दुश्मन बताने लगे हैं और खुल कर कहने लगे हैं कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया। इसकी तीन मिसालें हैं, जो हाल की हैं। बिहार की सीतामढ़ी लोकसभा सीट से चुनाव जीते जनता दल यू के देवेश चंद्र ठाकुर ने नतीजों के बाद कहा कि वे मुस्लिम और यादव लोगों के काम नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने उनको वोट नहीं दिया है।

पता चलता है कि राजनीतिक विभाजन किस स्तर तक पहुंच गया है। संसद और विधानसभाओं की राजनीति तो एरिना में ग्लैडियटर्स की लड़ाई में पहले ही बदल गई थी अब जमीनी राजनीति और मतदाता भी पार्टी लाइन पर बांटे जाएंगे। वैसे ही जैसे दुनिया भर में फुटबॉल के प्रशंसक बने हैं। सबकी अपनी पसंदीदा टीम होती है, जिसके जीतने पर वे जश्न मनाते हैं और हारने पर मारपीट करते हैं। क्या इसी तरह से अब देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में होगा?

जीता हुआ नेता उन लोगों के काम नहीं करेगा, जो उसकी पार्टी के या उसके विरोधी होंगे! इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम ने अब उम्मीदवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा दी है कि उन्हें पता होगा कि किस बूथ पर उन्हें कितने वोट मिले हैं। पहले जब बैलेट से चुनाव होता था तो कई बूथों के बैलेट एक साथ मिला दिए जाते थे और तब उनकी गिनती होती थी, जिससे बूथवार डाटा नहीं मिल पाता था। बहरहाल, ईवीएम की इस सुविधा का लाभ उठा कर सांसद और विधायक उन मतदान केंद्रों की पहचान कर सकते हैं, जहां उनको कम वोट मिले हैं या नहीं मिले हैं और फिर उनके साथ विकास के कार्यों में भेदभाव कर सकते हैं।

लेकिन क्या ऐसा करना शपथ का उल्लंघन नहीं होगा? लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की शपथ का प्रारूप इस प्रकार होता है, 'मैं, अमुक, जो लोक सभा का सदस्य निर्वाचित या नाम निर्देशित हुआ हूं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं या ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा, मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा तथा जिस पद को मैं ग्रहण करने वाला हूं उसके कर्त्तव्यों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगा'।

राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद के लिए चुने गए या मनोनीत किए गए सदस्यों के लिए भी यही प्रारूप होता है। इसमें साफ साफ लिखा गया है कि चुना गया सदस्य देश के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेगा। ध्यान रहे भारत का संविधान सभी नागरिकों की समानता की बात करता है और किसी भी आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। ऐसे में संविधान को मानने वाला कोई भी व्यक्ति यह कैसे कह सकता है कि वह एक वर्ग के लिए काम करेगा और दूसरे के लिए नहीं करेगा?

यहां एक तकनीकी पहलू है, जिसका इस्तेमाल खुलेआम भेदभाव की बात करने वाले सांसदों और विधायकों के बचाव में किया जा सकता है। वह पहलू यह है कि मंत्रियों के शपथ में एक अतिरिक्त लाइन यह जोड़ी जाती है कि, 'मैं संविधान और विधि के अनुसार सभी प्रकार के लोगों के साथ भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना अच्छा व्यवहार करूंगा'। यह लाइन सांसदों और विधायकों की शपथ में नहीं होती है। क्या इससे सांसदों और विधायकों को यह छूट मिल जाती है कि वे भेदभाव कर सकें? वे अपने समर्थक मतदाताओं की पहचान करें और उनको ज्यादा महत्व दें?

और वोट नहीं देने वाले मतदाताओं के लिए काम नहीं करें? इससे तो हर चुनाव क्षेत्र में पार्टियों के घेटो बन जाएंगे। सामाजिक स्तर पर इससे कितना बड़ा विद्वेष बढ़ेगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। जाति और धर्म के आधार पर गांव गांव में गोलबंदी होगी, आए दिन आपस में झगड़े होंगे और राजनीतिक विभाजन सामाजिक संरचना को बुरी तरह से छिन्न भिन्न कर देगा। इससे पहले कि इक्का दुक्का नेताओं की ओर से दिए जाने वाले बयान सांस्थायिक रूप लें और राजनीतिक विभाजन गांवों, कस्बों तक पहुंच कर सामाजिक ताना बाना तोडने् लगे उससे पहले इस महामारी को रोकना होगा।

नवजातों का समय से पहले जन्म

भगवती प्र. डोभाल

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में हर घंटे औसतन 345 नवजातों का समय से पहले जन्म हो रहा है यानी मां के गर्भ में शिशु का नौ महीने तक विकास होता है, तब जन्म लेता है, पर अब ऐसी स्थिति में बदलाव हो रहा है, जिससे 'प्री टर्म बर्थ' बढ़ रहे हैं।

देखें तो विश्व में हर दो सेकंड में एक नवजात का समय से पहले जन्म हो रहा है। और हर 40 सेकंड में इनमें से एक की मौत हो रही है। इस गंभीर समस्या को फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता सामने लाए हैं। शोध के निष्कर्ष 'साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट' में प्रकाशित हुए हैं। नवजात शिशुओं का समय से पहले मां के गर्भ से बाहर आना जलवायु परिवर्तन के कारण माना जा रहा है।

जलवायु में आ रहे ऐसे बदलाव का सीधे तौर पर संबंध बच्चों की सेहत से जुड़ा है। तापमान में निरंतर बढ़ोतरी होने से न केवल प्री टर्म बर्थ हो रहे हैं, बल्कि शिशुओं की मृत्यु दर भी बढ़ रही है। ऐसी ही शेध जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर किए। एक शोध के अनुसार, चार प्रतिशत से अधिक नवजातों की मृत्यु जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले अधिकतम और न्यूनतम तापमान से जुड़ी है।

ये निष्कर्ष 'नेचर कम्युनिकेशन' पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार पिछले 18 वर्षों में एक लाख 75 हजार नवजातों की मौत उन 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चार फीसद में से औसतन 1.5 फीसद सालाना नवजात मौतें अत्यधिक तापमान से जुड़ी थीं। वहीं करीब तीन फीसद अत्यधिक ठंड से हुई थीं। इसके अलावा, 18 वर्ष की इस अवधि में नवजात शिशुओं में गर्मी से जुड़ी 32 फीसद मौतों के लिए जलवायु परिवर्तन जवाबदेह है। इसका मतलब है कि इस दौरान नवजात शिशुओं की गर्मी से जुड़ी कुल मौतों में से 1 लाख 75 हजार से अधिक मौतें जलवायु परिवर्तन के कारण मानी जा रही हैं।शोध के आंकड़ों के अनुसार, पहले नवजात शिशुओं का जलवायु परिवर्तन की वजह से 2001 से 2019 के दौरान औसत सालाना तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दूसरा नवजात शिशुओं की शरीर तापमान नियंत्रण की क्षमता अधूरी होती है। उनका शरीर गर्मी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उच्च चयापचय और पसीने की दर कम होने से उन्हें शरीर से अतिरिक्त गर्मी को निकालना कठिन हो जाता है। तीसरी स्थिति में शोधकर्ताओं का मानना है कि उप–सहारा अफ्रीकी देशों में अत्यधिक तापमान की वजह से नवजात शिशुओं की मौतों पर ग्लोबल वार्मिंग का सबसे अधिक असर देखा गया है।चौथी स्थिति में पाकिस्तान, माली, सिएरा लियोन और नाइजीरिया में तापमान से जुड़ी नवजात शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक थीं। इनमें एक लाख जीवित जन्मों में से 160 से अधिक मौत बढ़े हुए तापमान से हुई। 2019 में विश्व भर में 24 लाख नवजात शिशु मौतें हुईं। इनमें से 90 फीसद से अधिक नवजात मृत्यु निम्न और मध्यम आय वाले देशों विशेषकर उपसहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हुई। मौसम परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है, पर उस परिवर्तन में हम तेजी से बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। मनुष्य की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं और परिवर्तित भी हो रही हैं। इस परिवर्तन में तेजी लाने का कारण हमारी तकनीकी सहायक हो रही हैं। तकनीकी का विकास मानव मस्तिष्क की खोजी प्रवृति है। इस खोज में हम भूल रहे हैं कि प्रकृति का दोहन एकदम नहीं, बल्कि धीरे–धीरे करना होगा।वैज्ञानिक उपलब्धियों से तो हम दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इस दौड़ में प्रकृति के साथ संतुलन भी करना होगा। हम इस अच्छी तरह से जानते हैं कि पृथ्वी पर वनस्पतियों और वृक्षों का संतुलित अनुपात में होना आवश्यक है। वन धरती की प्यास बुझाते हैं, लेकिन वनों की हमने कटाई इस तरह से कर दी है कि कार्बन डाइआक्साइड और आक्सीजन का संतुलन ही हम मिटाने पर तुले हैं। मानसून पर ही यदि हम एक दृष्टि डालें, तो पता चलेगा जिन पर्वतों पर वृक्ष और वन होते थे, वे समाप्ति की ओर हैं।

पहाड़ों के बड़े वृक्ष भूमि का कटाव नहीं होने देते थे। उनकी जड़ें मजबूती से पहाड़ों की मिट्टी में धंसकर वप्रा के जल को एकदम मैदानों की तरफ नहीं आने देती थीं, जिसकी वजह से नदियों में जलस्तर एक ही बरसात से खतरे से ऊपर नहीं होता था।

हकीकत जल्द स्पष्ट होगी

सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग से पूछा है कि चुनाव होने के काफी दिनों बाद बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत क्यों जारी किया जा रहा है। इस बात को समझाया जाए।शीर्ष अदालत ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि वह 24 मई तक अपना पक्ष रखे।

एडीआर ने अपनी याचिका में मांग की है कि आयोग को चुनाव होने के दो दिन के भीतर ही अंतिम आंकड़े जारी करने को कहा जाए। यहीं संशय की स्थिति बनी और विपक्ष ने मतदान के आंकड़े देरी से जारी करने को चुनाव में मुद्दा बना लिया है। दरअसल, एक चरण के अंतिम आंकड़े आने पर एक करोड़ वोट बढ़ जाने से हर कोई चौंका है, और आम मतदाता के गले निर्वाचन आयोग की यह दलील नहीं उतर रही है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ जाना सामान्य बात है। निर्वाचन आयोग मतदान के अंतिम आंकड़े जारी कर रहा है, तो मतदान 5–6 प्रतिशत बढ़ा हुआ आ रहा है। एडीआर की याचिका पर राजनीतिक माइलेज लेने की गरज से विपक्ष इस कृत्य को भाजपा के लिए मददगार करार देने में जुट गया है। हालांकि इससे पहले वह ईवीएम के मुद्दे को लेकर भी खासा मुखर हुआ था और ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शीर्ष अदालत जा पहुंचा था।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए विपक्ष के इस उपक्रम पर रोक लगा दी तो ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह करके निर्वाचन आयोग और सत्ता पक्ष को घेरना विपक्ष के लिए मुमकिन नहीं रह गया है।

ले–दे के मतदान प्रतिशत के आंकड़े देरी से जारी करने का मुद्दा विपक्ष के सामने बच रहा जिसे वह भुनाने में जुट गया है। हालांकि वह अभी तक प्रभावी तरीके से मतदान प्रतिशत के आंकड़े में विलंब का मुद्दा नहीं उठा पाया है। फिर भी उसकी कोशिश जारी है कि कुछ सरकारी एजेंसियों की तरह संवैधानिक संस्थाओं और निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता पर सवाल उठाते हुए उन्हें सरकार का मददगार बताए।

मतदाता को चुनाव में लेवल प्लेइंग फील्ड न होने का यकीन दिला कर उसकी हमदर्दी हासिल करे। यदि सफल रहता है तो उसे अपने पक्ष में ज्यादा मतदान करा ले जाने की संभावना दिखलाई पड़ रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर की याचिका पर जो व्यवस्था दी है, उससे लगता है कि मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में देरी की हकीकत जल्द स्पष्ट होगी।

कांतारा चैप्टर 1 पर आया बड़ा अपडेट, फिल्म में मशहूर अभिनेता जयराम की हुई एंट्री

कांतारा साल 2022 की बेहद चर्चित और सफल फिल्म रही थी। फिल्म से ऋषभ शेट्टी रातों–रात पूरे देश में मशहूर हो गए थे। फिल्म का निर्देशन और लेखन के साथ–साथ उन्होंने मुख्य किरदार भी निभाया था। भारतीय लोक कथाओं पर आधारित इस फिल्म को काफी तारीफें मिली थीं। फिल्म के रिलीज के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग की मांग करने लगे थे, जिसके बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का एलान भी कर दिया। हालांकि, यह फिल्म पहले भाग की प्रीक्वल होगी।

ऋषभ शेट्टी फिलहाल कांतारा–चैप्टर 1 को लेकर व्यस्त हैं। वह इस फिल्म को पहले भाग से अधिक भव्य और बेहतरीन बनाने में कोई कसर छोडऩा नहीं चाहते। पिछले साल मेकर्स के तरफ से इसकी एक झलक भी जारी की गई थी, जिसके बाद दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। टीजर से यह साफ दिख रहा था कि मेकर्स इसे और भी ज्यादा भव्य बनाना चाहते हैं। इस वजह से इस बार फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। अब खबरें आ रही हैं कि कांतारा– चैप्टर 1 में एक बड़े स्टार को शामिल किया गया है। पोर्ट्स के मुताबिक, कांतारा–चैप्टर 1 में मलयालम फिल्मों के स्टार अभिनेता जयराम भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने कर्नाटक में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि जयराम साउथ फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही वह सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। कांतारा– चैप्टर 1 से जयराम के जुडऩे की खबर तेजी से फैल रही है। उनके फैंस इस से काफी उत्साहित हैं।

बताते चलें कि कांतारा 30 सितंबर 2022 को कर्नाटक में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता को देखते हुए इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया गया।

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट के साथ दिखाई हरी झंडी

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की नई फिल्म बैड न्यूज सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में फिल्म का जोर–शोर से प्रचार किया जा रहा है। फिल्म के कलाकार अलग–अलग शहरों में जाकर इसका प्रमोशन कर रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग थिएटर में फिल्म देखने पहुंचे। इसी बीच फिल्म के रनटाइम को लेकर अपडेट सामने आया है।

बैड न्यूज के रनटाइम से जुड़ा अपडेट यह है कि फिल्म 2 घंटे और 22 मिनट लंबी है। फिल्म ने सेंसर बोर्ड की औपचारिकताएँ पूरी कर ली है। सेंसर बोर्ड द्वारा बैड न्यूज को यू/ए सर्टिफिकेट के साथ हरी झंडी दे दी गई है। बता दें कि फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी बैड न्यूज एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। फिल्म में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ–साथ पंजाबी गायक और अभिनेता एमी विर्क ने भी अहम भूमिका निभाई है। इसका निर्माण यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा किया गया है।

न्यूजीलैंड ने घरेलू सीजन के शेड्यूल का किया ऐलान

क्राइस्टचर्च,न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2024–25 के घरेलू अंतरराष्ट्रीय समर शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कीवी टीम इस दौरान इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे बड़ी टीमों की मेजबानी करेगी।न्यूजीलैंड की ओर से जारी 2024–25 घरेलू सीजन के दौरान कुल मिलाकर न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 6 वनडे और 8 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी।कार्यक्रम की शुरुआत इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ पहले से घोषित आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला से होगी, जिसके बाद श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 28 दिसंबर से 11 जनवरी तक तीन टी20 और इतने ही वनडे श्रीलंका के साथ खेलेगी।ब्लैककैप्स फरवरी में मेजबान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए पाकिस्तान जाएगी, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 16 मार्च से 5 अप्रैल तक पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे के लिए स्वदेश लौटेगी।न्यूजीलैंड की महिला टीम 19 से 23 दिसंबर तक सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी और बाद में 4 से 18 मार्च तक श्रीलंका के मल्टी–फॉर्मेट दौरे की मेजबानी करेगी, जो 21–26 मार्च को नंबर 1 रैंक वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से ठीक पहले होगी।

आनंद एल राय ने किया नई फिल्म नखरेवाली का ऐलान

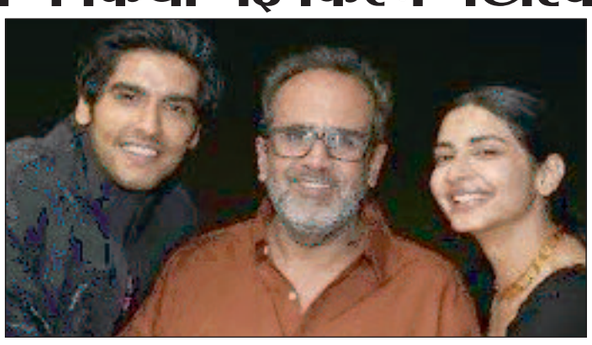

बॉलीवुड के जाने–माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर आनंद एल राय को हिंदी सिनेमा में रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आनंद ने राझणा, तनु वेड्स मनु, रक्षाबंधन, अतरंगी रे और जीरो जैसी फिल्मों का निर्मा–निर्देशन किया है।

अब एक बार फिर आनंद एल राय एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस मूवी का नाम है नखरेवाली, जिसका एलान बीते साल हुआ था और अब फिल्म को रिलीज करने की तैयारी शुरू हो गई है। फिल्म की निर्माता कम्पनी जियो स्टूडियोज और अ कलर येलो प्रोडक्शन ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर नखरेवाली का नया पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया। ये फिल्म अगले साल फरवरी में रिलीज होगी। तारीख चुनी गई है 14 यानी वैलेंटाइन डे। फिल्म नखरेवाली के पोस्टर पर न्यूकमर अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव किस करते नजर आ रहे हैं। अंश का अतरंगी अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने पिंक कलर का लहंगा पहना हुआ है और शर्टलेस नजर आ रहे हैं। वहीं, प्रगति ब्लू कलर के सूट में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में कुछ लोग भी नजर आ रहे हैं।

बता दें, ये दोनों नए चेहरे है, जो पहली बार आनंद एल राय की मूवी में नजर आने वाले हैं। दोनों ही स्टार्स अपनी एक्टिंग को लेकर काफी एक्साइटेड दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म की कहानी भी आनंद की पिछली फिल्मों की तरह हिंदी पट्टी में स्थापित की गई है। बता दें कि मराठी फ्रेंचाइजी झिम्मा 2 की घोषणा के बाद फिल्म नखरेवाली आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज के बीच दूसरा कॉलोबोरेशन होगा।

आईपीएल के बाद एमएलसी 2024 में भी एमआई का निराशाजनक प्रदर्शन

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था. टीम 14 मैच में 10 हार के साथ अंक तालिका में 10 वें स्थान पर रही. आईपीएल के बाद एमआई को उम्मीद थी कि मेजर क्रिकेट लीग 2024 में उसकी यूनिट एमआई न्यूयॉर्क अच्छा प्रदर्शन करेगी लेकिन ऐसा नही हुआ. पिछले सीजन विजेता रही एमआई न्यूयॉर्क एमएलसी 2024 के प्लेऑफ से बाहर होने के कगार पर पहुंच गई है. टीम 5 मैचों में 3 मैच गंवा चुकी है. आखिरी मैच में वाशिंगटन फ्रीडम से हार मिली. 16 जुलाई को वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेले गए मैच में एमआई के कप्तान किरोन पोलार्ड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था. वाशिंगटन ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए.

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा, सूर्या हो सकते हैं टी20 कप्तान

नई दिल्ली, गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा बुधवार को हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं।

टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4–1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है।

टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं।

सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था। वहीं घरेलू सर्किट में भी सूर्यकुमार मुंबई की कप्तानी कर चुके हैं।

बुधवार को चयन समिति आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर सकती है।

एक नजर

आधार कार्ड बनाने को लगी लोगों की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को तहसील परिसर में आधार कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाया गया। तीन दिवसीय कैंप के पहले दिन लोगों की भीड़ लगी रही। सामाजिक कार्यकर्ता एवं पीएलबी सतपुली पुष्पेंद्र राणा ने प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि सतपुली बाजार में बंद पड़े आधार कार्यालय को नियमित रूप से खोला जाए। ताकि लोगों को आधार कार्ड बनाने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

पौध रोपण करने के साथ संरक्षण पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बुधवार को हरेला कार्यक्रम के तहत वन पंचायत क्यार्क में सिविल एवं सोयम वन प्रभाग पौड़ी रेंज द्वारा पौध रोपण किया गया। वन पंचायत सरपंच हेम गैरोला, ग्राम सभा प्रधान कुसुम देवी की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। पौडी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल वन प्रभाग के पौडी रेंज नागदेव सिविल अनुभाग के अनुभाग अधिकारी अरविंद रावत ने ग्रामीणों को एक पेड़ मां के नाम मुहिम से जुड़कर पौधरोपण करने को कहा। इस दौरान ग्रामीणों को पौध रोपण करने के साथ ही उनके संरक्षण पर जोर दिया गया। इस मौके पर वन पंचायत सदस्य मंगत सिह गुसांई, लखपत सिंह पंवार, नरोतम प्रसाद, सुनील भंडारी, हरीश सिंह गुसांई, जगसिंह राणा, अर्जुन कुमार आदि शामिल रहे।

कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

नई टिहरी : बुधवार को चंबा में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष साब सिंह सजवाण के नेतृत्व में बुधवार को कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में श्री केदारनाथ का प्रतीकात्मक मंदिर निर्माण पर विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह कृत्य सीधे-सीधे चार धामों को नीचा दिखाने की भाजपा सरकार की कोशिश है। उक्त मंदिर निर्माण के नाम पर करोड़ों रूपये का चंदा इकट्ठा किया जा रहा है। जल्द इस निर्णय को वापस नहीं लिया तो कांग्रेस कार्यकर्ता उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। पुतला जलाने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज राणा, नरेंद्र चन्द रमोला, सोबन सिंह नेगी, शक्ति प्रशाद जोशी, विक्रम पंवार, हरि सिंह मखलोगा, गिरबीर नेगी, गब्बर सिंह नेगी, विजेन्द्र सिंह नेगी, सोहन लाल आर्य, श्रीपाल रावत, चैत लाल आर्य शामिल रहे। (एजेंसी)

चैतन्य कुकरेती ने शोधार्थी के रूप में नई मिसाल पेश की

नई टिहरी : देवप्रयाग की भरपूर पट्टी के मसूण गांव निवासी 24 वर्षीय चैतन्य कुकरेती ने धर्म व विज्ञान के शोधार्थी के रूप में नई मिसाल पेश की है। ज्योतिष, वेद, कर्मकांड से जुड़े चैतन्य कुकरेती का चयन केंद्रीय विवि श्रीनगर में भौतिक विज्ञान के पीएचडी शोधार्थी के रूप में हुआ है। भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. आरसी रमोला की ओर से उन्हें पदार्थ विज्ञान की आधुनिक समय में प्रासंगिकता विषय पर शोध स्वीकृति का पत्र मिला है। महर्षि पाणिनि संस्कृत व वेद विश्व विद्यालय, उज्जैन मध्य प्रदेश से वेद विषय में आचार्य चैतन्य की शुरुआती शिक्षा राइंका भरपूर में हुई। चैतन्य ने गढ़वाल विवि से बीएससी व बीएड करने के बाद ज्योतिष व वेद का अध्ययन किया व अपना ज्योतिष संस्थान शुरू किया। वेद व भौतिक विज्ञान के समायोजन पर वह अपना शोध पत्र देहरादून में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित अंतराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत कर चुके हैं। उनके पिता राजेश कुकरेती, माता विनीता देवी सहित क्षेत्र वासियों ने चैतन्य का चयन भौतिक विज्ञान में पीएचडी के लिए होने पर खुशी जताई है। (एजेंसी)

निर्माणाधीन हेलंग मारवाडी बाईपास में चट्टान टूटी, लोडर दबा

चमोली : जोशीमठ नगर से 12 किमी. पहले हेलंग अणीमठ से मारवाडी तक निर्माणाधीन 5 किमी. लंबे बाईपास में मारवाड़ी के निकट पहाड़ी का एक बहुत बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गया।

बुधवार सुबह 5 बजे जिस समय बड़े-बड़े बोल्डर नीचे गिरे वहां पर एक लोडर खड़ा था। जो बोल्डरों के नीचे दब गया। सुबह 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक हुई भारी बारिश के कारण मारवाड़ी के निकट बाईपास में एक बड़ी चट्टान टूटने से भारी मलबा पहाड़ी से नीचे आ गया और वहां पर रात को खड़ा किया गया एक लोडर मलबे के नीचे दब गया है। मलबा आने के तुरंत बाद निर्माण कार्य में लगी ठेकेदार कंपनी ने अपनी अन्य सभी मशीनों को कार्य क्षेत्र से हटा दिया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर आया पहाड़ी का हिस्सा, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य बंद रहा यातायात

वर्षाकाल में चुनौती बन रहा कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य 15 किलोमीटर का सफर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्षा काल में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य 15 किलोमीटर का सफर चुनौती बनता जा रहा है। बुधवार सुबह दुर्गामाता मंदिर के समीप पहाड़ी का हिस्सा टूटकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। गनीमत तो यह रही कि घटना के समय उक्त स्थान से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। पहाड़ी से गिरे बोल्डर के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग का आधा हिस्सा भी खोह नदी में समा गया। मलबा व बोल्डर हटाने में दस घंटे से अधिक का समय लग गया। इस दौरान पहाड़ आने व जाने के लिए दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। बुधवार सुबह करीब छः बजे बारिश के दौरान दुर्गा माता मंदिर से सौ मीटर आगे पहाड़ी का हिस्सा टूटकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने पहाड़ जाने वाले वाहनों को सिद्धबली के समीप ही रोक दिया था। जबकि, पहाड़ से मैदान को आने वाले वाहनों को दुगड्डा चौकी की समीप रोका गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर तैनात विभाग की जेसीबी व पोकलैंड मशीने तुरंत ही बोल्डर को हटाने के लिए पहुंच गई थी। लेकिन, भारी बोल्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग का आधा हिस्सा भी नदी में समा गया था। बचे हुए हिस्से का बोल्डर हटाते ही पहाड़ी पर फंसा मलबा व बोल्डर भी लगातार नीचे गिर रहा था। जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग से बोल्डर हटाने में समय लग गया। दोपहर में करीब साढ़े तीन बजे मलबा पूरी तरह साफ होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों के लिए खोल दिया गया। लेकिन, राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा ढहने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही बंद रही।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य दुर्गा माता मंदिर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर आया बोल्डर

राष्ट्रीय राजमार्ग के खुलने के इंतजार में सिद्धबली के समीप खड़े वाहन

भूखे प्यासे रहे यात्री

भले ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा आने की सूचना मिलते ही पुलिस ने पहाड़ व मैदान को जाने वाले वाहनों को रोक दिया था। लेकिन, करीब दो सौ से अधिक ऐसे वाहन से जो प्रभावित क्षेत्र के आसपास फंसे हुए थे। ऐसे में उक्त स्थान से कोटद्वार व दुगड्डा दूर होने के कारण यह यात्री पूरे दिन भूखे-प्यासे रहे। हालांकि, कुछ यात्री पैदल ही दुगड्डा व कोटद्वार के लिए निकलते हुए भी नजर आ रहे थे। दोपहर में साढ़े तीन बजे राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने के बाद ही यात्रियों ने राहत की सांस ली।

बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी व कोच को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देहरादून में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर लौटी बॉक्सिंग टीम व कोच को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। राजकीय स्पार्टस स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में विस अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय बाक्सिंग चैपिंयनशिप –06 सीजन 14 जुलाई से 16 जुलाई तक देहरादून में आयोजित किया गया था। राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में कोटद्वार से धर्मेंद्र थापा ने 44 से 46 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अंशवीर ने 46 से 48 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, अभिषेक ने 48 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अयान खान ने 50 से 52 किलोग्राम भारत वर्ग में रजत पदक, आरोहण सिंह ने 52 से 54 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, मानसी नेगी ने 56 से 70 किलोग्राम भारत क में स्वर्ण पदक, सार्थक ने 80 से ऊपर भार वर्ग में रजत पदक, लक्की बगड़वाल ने 54 से 57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक, भूमि थापा ने 54 से 57 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक, प्रिय नेगी ने 57 से 60 किलोग्राम भारत वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। विस अध्यक्ष ने खिलाड़ियों के साथ ही कोच श्याम सिंह डांगी को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष पंकज भाटिया, विजय लखेड़ा, नीना बेंजवाल, रजनी बिष्ट, आशा, संगीता सुंदरियाल आदि मौजूद रहे।

सम्मान समारोह कार्यक्रम में मौजूद खिलाड़ी व मुख्य अतिथि

टप्पेबाज को किया गिरफ्तार, सामान भी बरामद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महिला के बैग में रखे पर्स को चोरी करने वाले एक टप्पेबाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मध्य प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में 15 जुलाई को विनोद सिंह नेगी की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कोटद्वार बस अड्डे में उनकी साली यशोदा के बैग से पर्स चोरी कर लिया है।

पर्स में एक जोड़ी सोने के कुंडल, एक जोड़ी सोने के बिछवे, सोने का गले का हार व चांदी के बिछवे थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच के बाद आरोपित की पहचान हो गई थी। बुधवार सुबह आरोपी मध्य प्रदेश जैतपुर थाना आनदंपुर जिला विदिशा निवासी जेके पुत्र बदीन को बीईएल रोड से गिरफ्तार किया गया। आरोपित के पास से सोने के कुंडल, कान की बाली, चांदी के बिछवे सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा टप्पेबाज

कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण शुरू

कथावाचक आचार्य कमलेश्वर चंद्र जोशी ने शिव महापुराण की कथा सुनाते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण में चल रहे 11 दिवसीय शिव महापुराण कथा की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई। बुधवार को महिलाओं ने थलीसैंण बाजार में कलश यात्रा निकाली।

विन्देश्वर हंसेश्वर सांस्कृतिक सामाजिक संस्था की ओर से शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक आचार्य कमलेश्वर चंद्र जोशी ने शिव भगवान की महिमा का वर्णन सुनाया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अवतार सिंह चौहान ने स्थानीय लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करने की अपील की। इस मौके पर विशम्बर दंत मंमगाई, बिक्रम सिंह, नरेंद्र सिंह, डॉ. सतेन्द्र सेमवाल, डॉ. संजय पोखरियाल, आशाराम पोखरियाल, सतेन्द्र सिंह, मनवर सिंह, संजय धस्माना, श्याम सिंह, सुरेंद्र सिंह नेगी, अनिल सिंह, विकेश धस्माना, प्रधान आंनद सिंह नेगी, राकेश मंमगाई, उमराव सिंह आदि मौजूद थे।

प्रभावितों की अनदेखी कर रहा शासन-प्रशासन

राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभावितों ने विधानसभा अध्यक्ष को बताई समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनेह क्षेत्र में प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रभावितों ने शासन-प्रशासन पर उनकी अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा दिए जाने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष आशीष रावत के नेतृत्व में प्रभावितों ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से मुलाकात की। कहा कि प्रभावितों को बाजारी भाव से मुआवजा दिया जाना चाहिए। बताया कि अपर जिलाधिकारी के माध्यम से आर्बिटेटर की नियुक्त भी नहीं की जा रही है। जिन लोगों को सरकार के माध्यम से पट्टे प्रदान किए गए है, उन्हें न तो अन्यत्र बसाने की कोई व्यवस्था है और न ही उन्हें मुआवजा दिया जा रहा। नतीजा, बाईपास प्रभावितों के सामने बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है। कहा कि प्रभावित लोग कई दशकों से क्षेत्र में निवास कर रहे है। ऐसे में उनकी अनदेखी करना ठीक नही है। ग्राम जीतपुर में मुआवजा बांटे बगैर निर्माणदायी संस्था ने भूमि की मृदा परीक्षण शुरू कर दिया है। ज्ञापन में प्रभावितों ने सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इस मौके पर सुनील रावत, संजय तिवाड़ी, कमलेश कोटनाला, अरविंद बनियाल, लक्ष्मण, धर्मेंद्र शामिल रहे।

विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन देते सदस्य

कांग्रेसियों ने फूंका प्रदेश सरकार का पुतला

कोटद्वार में सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाए जाने से आक्रोशित कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि सरकार देवी भूमि के लोगों की भावनाओं से खेलने का कार्य कर रही है।

बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। वक्ताओं ने कहा कि नई दिल्ली में केदारनाथ का प्रतीकात्मक मंदिर का शिलान्यास करके मुख्यमंत्री ने सनातनी परंपराओं को तोड़ा है। कांग्रेस पार्टी इस कृत्य की निंदा करती है। साथ ही तुरन्त इस कार्य को रोकने की मांग करती है। कहा कि इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री को देवभूमि की जनता से माफी मांगनी चाहिए। पुतला दहन करने वालों में महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय रावत, धीरेन्द्र बिष्ट, महावीर सिंह रावत, बृजपाल सिंह नेगी, सुदर्शन रावत, धर्मेंद्र रावत, देवेंद्र सिंह नेगी, चंद्र मोहन खर्कवाल और विजय नारायण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शमिल रहे।

शहीदों की स्मृति में किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति ने जम्मू कश्मीर के कठुआ और डोडा के शहीद सैनिकों की स्मृति में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कण्वघाटी में बुधवार को पौध रोपण किया गया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक निदेशक आरबी कंडवाल ने कहा कि आतंकी हमले में शहीद सैनिकों के प्रति हमारी यह सच्ची श्रद्धांजलि है। पौधे हमें हमेशा उनकी शहादत की याद दिलाते रहेंगे।

प्रधानाचार्य रमाकांत कुकरेती ने कहा कि हम सैनिकों की बदौलत ही आजादी की जिंदगी बसर कर रहे हैं। उनकी शहादत को हमारा नमन है। कहा कि सरकार को आतंकियों की इस कायराना हरकत का बदला लेना चाहिए। मौके पर दिवंगत आत्माओं के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पौधरोपण करने वालों में मनमोहन काला, जगत सिंह नेगी, दिनेश चौधरी और नंदन सिंह नेगी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पौधा रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

कोटद्वार आईएचएमएस में पौधा रोपण करते विद्यार्थी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से लोक पर्व हरेला को धूमधाम से मनाया गया। कालेज प्रबंधन, प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कालेज के डायरेक्टर एडमिन कर्नल बीएस नेगी (सेनि) के मार्ग दर्शन में छात्र-छात्राएं और प्रध्यापक कालेज के खेल मैदान में पहुंचे। उन्होंने मैदान के किनारे विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार और जड़ी बूटी के पौधों का रोपण किया।

इस अवसर पर कर्नल बीएस गुसाईं ने कहा कि पेड़ पौधों के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पेड़ पौधे हमें जीवन दयनी ऑक्सीजन देते हैं, जिससे जीव-जंतु जीवित रहते हैं। लेकिन, वर्तमान में जिस प्रकार पेड़ों को काटने का कार्य किया जा रहा है। जंगलों को काटकर वहां पर कंकरीट के भवन बन रहे हैं, जो पर्यावरण के लिए चिंताजनक है। पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने के कारण आज प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं। धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। गर्मी, सर्दी और बारिश पिछले सभी रिकार्ड तोड़ रही है। इसी प्रकार अगर पर्यावरण की उपेक्षा की गई तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों से पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरुकता फैलाने की अपील की। इस अवसर पर कालेज के एमडी बीएस नेगी, ईडी अजयराज नेगी, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, असिस्टेंट प्रोफेसर सपना रौथाण समेत सभी प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र विवेक कुमार मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा गलत संगत में पड़ चुका है। मैं अपने पुत्र विवेक कुमार को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मेरा पुत्र यदि किसी प्रकार का गलत कृत्य करता है तो उसके लिए वह स्वयं उत्तरायी होगा तथा उसके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के लेन-देन एवं गलत कृत्य के लिए मैं जिम्मेदार नहीं रहूंगा।

चन्द्रमोहन पुत्र पदम सिंह निवासी ग्राम खेडगांव, खेर गांव, संग्लाकोटी, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0282/21)

गदेरे मे कूड़ा डालने पर भड़के लोग, महिला कर्मचारी को हटाया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहर में डोर टू डोर कूड़ा जमा करने वाली टीम की एक महिला सफाई कर्मी द्वारा गदेरे मे कूड़ा डाले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गदेरे में कूडा डाले जाने पर स्थानीय लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई है। उधर शिकायत पर उक्त महिला कर्मचारी को हटा दिया गया है।

शहर में नगर पालिका प्रशासन द्वारा ठेकेदार के माध्यम से डोर टू डोर कूड़ा उठान किया जाता है। जिसके तहत टीम विभिन्न मोहल्लों में घर-घर जाकर कूड़े का उठान करती है और नगर पालिका के वाहनों के माध्यम से इसका निस्तारण किया जाता है। शहर में इन दिनों डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली टीम का एक वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो शहर के न्यू कालोनी लोवर बाजार का है। वायरल वीडियो में एक महिला डोर टू डोर से लाए गए कूड़े को गदेरे में फेंक रही है। न्यू कालोनी लोवर बाजार निवासी युवा आयुष भंडारी ने बताया कि इस मोहल्ले में गंदगी से लोग परेशान हैं।

डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली टीम द्वारा गदेरे में कूड़ा डालने की पिछले लंबे समय से शिकायते आ रही थी। जिससे लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा है। बताया कि इस संबंध में नगरपालिका के ईओ से कठोर कार्रवाई की मांग उठाई गई है। नगर पालिका के ईओ गौरव भसीन ने बताया कि ठेकेदार के माध्यम से शहर में डोर टू डोर कूड़ा उठान किया जाता है। इस मामले में उक्त महिला सफाईकर्मी को हटा दिया गया है। संबंधित ठेकेदार को भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**SNT-Sig-QSR-El-Umbrella** प्रोविजन ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्लेस ऑफ़ मकनिकल सिगनलिंग एट QSR स्टेशन इन हरिद्वार – देहरादून सेक्शन ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	34050986.91	370300.00	निल	14.08.2024 15:00 hrs.

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। **निविदा सूचना SNT-Sig-QSR-El-Umbrella दि0 16.07.2024** **2176/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

विद्युत सब स्टेशन में लगी आग पर पाया काबू

चमोली : चमोली जिले के मुख्यालय गोपेश्वर के कोठियाल स्थित विद्युत सब स्टेशन पर बुधवार को लगभग एक बजे अचानक आग लग गई। विद्युत विभाग ने तत्काल इसकी सूचना फायर विभाग को दी। फायर विभाग और विद्युत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने आग पर नियंत्रण पा लिया। इस घटना में कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। जिला मुख्यालय समेत आस पास की बड़ी आबादी विद्युत आपूर्ति ठप होने से परेशान रही। इधर बदरीनाथ, पांडुकेश्वर क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बुधवार सुबह बाधित हो गई। जिससे बड़ा इलाका प्रभावित हुआ। अधिशासी अभियंता ने बताया बदरीनाथ हाईवे पर टंगणी नामक स्थान पर पेड़ विद्युत लाइन पर गिरने से विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। उसे ठीक करने के लिए कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं। (एजेंसी)

दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाने का कांग्रेसियों ने किया विरोध

चमोली : दिल्ली में केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक मंदिर बनाने के विरोध में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कर्णप्रयाग में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। गुस्साएं कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार चारधाम यात्रा को विफल करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर जुलूस निकाला। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, आईपी मैखुरी, महेश खंडूड़ी, गौतम मिंगवाल, रामदयाल, सुभाष रावत, आयूष नेगी, बीरेंद्र मिंगवाल, राकेश कोटियाल, जगदीश सती आदि थे। वहीं, व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष ईश्वरी मैखुरी ने कहा कि केदारनाथ को दिल्ली में स्थापित करने और चारधाम यात्रा को रजिस्ट्रेशन के नाम पर अव्यवस्थित कर यात्रा को रामनगर से शुरू करने की कोशिश से आम व्यापारी आहत है। राज्य सरकार की व्यापार विरोधी नीतियों का प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जनपद चमोली घोर विरोध करता है। (एजेंसी)

कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

चमोली : दिल्ली में केदारनाथ का प्रतीकात्मक मंदिर बनाए जाने के विरोध में बुधवार को कांग्रेस ने चमोली जिले के ब्लॉक मुख्यालयों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर सनातन धर्म की मान्यताओं पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए आक्रोश जताया। दशोली ब्लाक अध्यक्ष गोविंद सिंह सजवाण के नेतृत्व में बुधवार को ब्लाक मुख्यालय चमोली के बस स्टैंड पर धरना प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार का पुतला भी दहन किया। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी ने कहा दिल्ली में बनाए जा रहे केदारनाथ मंदिर का शिलान्यास राज्य के मुख्यमंत्री ने करके सनातन धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम किया है। (एजेंसी)

बरसात में लोगों को नहीं मिला रहा साफ पानी, नल से निकला मरा सांप

रुद्रप्रयाग : बरसात में मुख्यालय में लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा है। पुनाड़ गदेरे के उफान पर आते ही नलों से भी गंदे पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है। जबकि एक जगह तो नल से मरा सांप ही निकल गया। लोग बीते कई वर्षों से साफ पानी की मांग कर रहे हैं किंतु स्रोत पर हाल ही में बनाया गया फिल्टर प्लांट भी शुद्ध पानी देने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों में रोष है। नगर में भारी बारिश के चलते जैसे ही पुनाड़ गदेरे का जल स्तर बढ़ रहा है तो नलों से भी मिट्टी और गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। हालांकि गदेरे का स्वरूप देखते ही जल संस्थान पानी की आपूर्ति बंद कर दे रहा है किंतु फिर भी नलों से गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है। बीते दिन पुनाड़ गांव निवासी हरीश सेमवाल ने आरोप लगाया कि उनके नल से मरा सांप निकला। जबकि नगर में कई जगहों पर गंदा पानी आने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इधर, डॉक्टर मानते हैं कि बरसात के दो महीने हर व्यक्ति को उबाल कर ही पानी पीना चाहिए। जिला चिकित्सालय में तैनात फिजिशियन डॉ.संजय तिवारी ने कहा कि बरसात में अनेक तरह की बीमारी होने का खतरा बना रहता है। इसलिए पानी उबाल कर पीने से बीमारियों से बचा जा सकता है। जल संस्थान ईई अनीस पिल्लई का ने बताया कि जल संस्थान पानी में नियमित क्लोरीन डाल रही है जबकि गंदे पानी की आपूर्ति न हो, इसके लिए विभागीय सभी अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। फिल्टर प्लांट से ही पानी की आपूर्ति कराई जा रही है। (एजेंसी)

पौधे रोपकर दिया पर्यावरण जागरूकता का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड रिखणीखाल के द्वारी गांव के पंचायत घर के समीप बंजर भूमि पर शिक्षक दिनेश चंद्र कुकरेती के नेतृत्व में पौधा रोपण का पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया।

बुधवार को ग्रामीणों ने बरगद, पीपल, नीम, बेल, आँवला सहित अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे। इस मौके पर विशाला देवी, सुरेशी देवी ने ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान द्वारी लक्ष्मण सिंह नेगी ने शिक्षक दिनेश चन्द्र कुकरेती के 18 वर्षों से पर्यावरण के क्षेत्र में किये जा उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। शिक्षक श्री कुकरेती ने लोगों को वनों को आग से बचाने एवं पेड़ो की

सुरक्षा करने हेतु जागरूक किया। कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जानकारी हर स्तर तथा हर उम्र व्यक्ति के लिए आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण की चेतना की सार्थकता तभी हो सकती है, जब हम नदियां, पर्वत, पेड़, प्राण वायु और हमारी धरती को बचा सके। इस मौके पर अनिल कोहली, रविन्द्र गुसांई, राजदर्शन मैंदोला, बचन लाल भारती, गौरव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी स्टेडियम बदहाल

नई टिहरी : जिला मुख्यालय स्थित बौराड़ी स्टेडियम के विस्तारीकरण पर नौ करोड़ खर्च होने पर भी दशा नहीं सुधर पाई है। स्टेडियम में नाली निकासी से लेकर अन्य कार्य न होने के कारण बदहाल बना हुआ है। बारिश के दिनों में स्टेडियम पानी से भर जाता है। जिस कारण खेल प्रेमियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ढाई साल पहले मुख्यमंत्री ने अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए धनराशि देने की घोषणा की थी। लेकिन अभी तक धनराशि भी नहीं मिल पाई है। जिसके चलते स्टेडियम के अवशेष कार्य अधर में लटके हुए हैं। जिला मुख्यालय का एक मात्र बौराड़ी स्टेडियम खेल प्रेमियों के लिए उपयुक्त नहीं बन पाया है। खेलों के लिए स्टेडियम की लंबाई, चौडाई कम होने के कारण स्थानीय लोग वर्षों से विस्तारीकरण की मांग की रहे थे। वर्ष 2015–16 में सरकार ने स्टेडियम के विस्तारीकरण को करीब आठ करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे।

किताब कौथिग 20 जुलाई से, भव्य बनाने हेतु मांगा सहयोग

नई टिहरी : क्रिएटिव उत्तराखंड और भारत ज्ञान विज्ञान समिति की ओर से नगर में 20 से 21 जुलाई को होने वाले टिहरी किताब कौथिग की तैयारियों को लेकर बुधवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में पहली बार लग रहे किताब कौथिग को भव्य बनाने के लिए नगर क्षेत्रवासियों और सामाजिक संगठनों से सहयोग मांगा। कहा कि कौथिग में देश के ख्याति प्राप्त लेखक, पब्लिसर, साहित्यकार, गायक शिरकत करेंगे। जबकि 70 हजार से अधिक किताबों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के बीच तीसरे दिन भी बाल लेखन कार्यशाला आयोजित की गई। छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से लेकर पुस्तक लेखन की जानकारी दी गई। बुधवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बौराड़ी में आयोजित बैठक में आयोजन समिति के हेम पंत ने बताया कि 20 और 21 जुलाई को नगर पालिका सभागार बौराड़ी में किताब कौथिग आयोजित किया जा रहा है। जिसमें लेखकों से सीधी बात, साहित्यिक परिचर्चा, नेचर वॉक, रंगमंच, विज्ञान, बाललेखन, पुस्तक लोकार्पण, अंगदान जागरूकता, काव्य गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग, बर्ड वॉचिंग आदि कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। साथ ही पुस्तक, अखबार पढ़ने को लेकर घटते स्तर पर भी चर्चा की जाएगी। नागरिक मंच के संरक्षक सीपी डबराल, कमल सिंह महर, आनंदमणी पैन्यूली, महीपाल सिंह नेगी आदि ने किताब कौथिग की पहल की सहराना करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के छात्रों को तीसरे दिन भी बाल लेखन की जानकारी दी गई। बालप्रहरी के संपादक उदय किरौला ने छात्रों को नुक्कड़ नाटक, कहानियों के माध्यम से कई जानकारी दी। छात्रों ने यात्रा वृतांत, जीवन की घटना, पहेलियां, गढ़वाली गीत लिखे। इस मौके पर नागिरक मंच के जगजीत नेगी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष ज्योति डोभाल, बीपी बधानी, डॉ. वीर सिंह रावत, महेश बडोनी, सुशील डोभाल, विक्रम कठैत, जेपी सेमल्टी, देवेंद्र नौडियाल, राजपाल मियां आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

हरेला व पर्यावरण पर हुई प्रतियोगिता में साक्षी, शिवम विजेता

देहरादून। संकल्प शिक्षण एवं कल्याण समिति ने सुंदरवाला में हरियाली के प्रतीक लोक पर्व हरेला पर पौधरोपण अभियान चलाया। हरेला एवं पर्यावरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसमें साक्षी तोमर प्रथम, मंदाकिनी द्वितीय, आराध्या धीमान, काव्या धीमान तृतीय रहे।

साफ-सफाई व डेंगू-मलेरिया को लेकर सीएम गंभीर

नगर आयुक्त और अधिशासी अधिकारी प्रतिदिन निदेशालय को भेजेगें रिपोर्ट

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : शहरी विकास निदेशक ने समस्त नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को प्रतिदिन अपने क्षेत्रों में दो बार भ्रमण कर आख्या निदेशालय को भेजने को कहा है। मानसूनी सीजन के दौरान साफ-सफाई सहित डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के प्रति मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बेहद गंभीर हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर शहरी विकास निदेशक ने राज्य के समस्त नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को प्रतिदिन अपने क्षेत्रों में दो बार भ्रमण कर आख्या निदेशालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मानसून सीजन में जल-जनित बीमारियों से लेकर डेंगू-मलेरिया का खतरा बना रहता है। विगत दिनों मुख्यमंत्री ने इस संबंध में बैठक लेकर जल भराव, साफ सफाई तथा डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे।

इसी क्रम में शहरी विकास निदेशक नितिन सिंह भदौरिया ने समस्त नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को पत्र जारी कर मुख्यमंत्री जी की अपेक्षा के अनुरूप इस संबंध में प्रभावी उपाय एवं अनुश्रवण करते हुए प्रतिदिन निकाय क्षेत्र में दो बार भ्रमण कर अनुपालन आख्या निदेशालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

समाजसेवी पडियार के निधन पर जताया शोक

नई टिहरी : पुरानी टिहरी शहर के प्रमुख व्यवसायी, समाजसेवी रहे जसवंत सिंह पडियार (92) का बुधवार तड़के नई टिहरी स्थित आवास में निधन हो गया। वह एक माह से बीमार चल रहे थे। देहरादून के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम समय में अपने घर नई टिहरी जाने की इच्छा जताई थी। उनके निधन पर शहर के लोगों ने दुःख जताया है। मुनिकीरती स्थित घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर विधायक किशोर उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, पूर्व मंत्री दिनेश धनै, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, विक्रम पंवार, साब सिंह सजवाण, राजेंद्र असवाल, नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल, जगजीत नेगी, लक्ष्मी प्रसाद भट्ट, विजय गुनसोला, मोहन सिंह रावत, कुलदीप पंवार, अनुसूया नौटियाल, देवेंद्र नौडियाल आदि ने दुःख जताया। (एजेंसी)

महिलाओं ने गीत गाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रुद्रप्रयाग : बर्सू गांव में वन पंचायत के सहयोग से बुधवार को पौधरोपण किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के करीब 500 पौधों का रोपण किया गया। वहीं सरकार की थीम के अनुसार सभी ने एक पेड़ मां के नाम को लेकर भी पौधरोपण किया। इस मौके पर महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण को जरूरी बताते हुए सुदंर गीत भी गाया।

मुख्यालय के नजदीकी गांव बर्सू में वन पंचायत के सरपंच नरेंद्र नौटियाल के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। जिसमें वन विभाग, बर्सू पुनाड़ विकास समिति के साथ ही गांव के ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को आंवला, बांस, बांज, दाडिम, तून, मेहल आदि की पौध वितरित की गई। जिसे ग्रामीणों द्वारा तून गदेरा तोक के साथ ही अनेक स्थानों पर रोपण किया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रमोहन

सेमवाल, वन पंचायत सरपंच नरेंद्र प्रसाद नौटियाल, सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रमोहन सेमवाल, प्रवीन सेमवाल, महिला मंगल दल अध्यक्ष आशा सेमवाल, राकेश नौटियाल, चक्रधर सेमवाल, शैलेंद्र गोस्वामी, अरविंद सेमवाल, सीताराम नौटियाल, सूरज नौटियाल, डिप्टी रेंजर लाल बहादुर आर्य, वन दरोगा दिग्विजय झिंक्वाण, वन आरक्षी पंकज रावत, कल्पना, सचिन, आकाश, दैनिक श्रमिक जयवीर आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बदरीनाथ हाईवे पर पलटी बोलेरो, मची चीख-पुकार

चमोली : बदरीनाथ हाईवे पर बुधवार को फिर सड़क हादसा हुआ है। हाईवे पर बुधवार दोपहर को एक बोलेरो टैक्सी पलट गई। सड़क हादसे के वक्त टैक्सी यात्रियों से भरी हुई थी। टैक्सी के पलटते ही यात्रियों की मदद को चीख-पुकार निकली। टैक्सी पलटने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस कंट्रोल रूम को दी। पुलिस ने तुरंत ही मौके पर पहुंच राहत व बचाव कार्य शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मारवाड़ी के निकट बुधवार तकरीबन 12.15 बजे एक बोलेरो मोड पर ऊपर की सडक से नीचे की सडक पर गिरकर पलट गई। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को रेस्क्यू कर नजदीकि अस्पताल में भर्ती कराया। वाहन में 8 से 10 लोग सवार बताए जा रहे है। जिसमें से गंभीर घायल 3 लोगों को जोशीमठ अस्पताल भेजा गया है। बाकी सामान्य घायल है। वाहन जोशीमठ की तरफ आ रहा था। (एजेंसी)

फेरी-ठेली वालों को जल्द जारी होंगे पहचान पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : फेरी-ठेली वालों को जल्द पहचान पत्र प्रदान किये जायेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर इस संबंध में शहरी विकास निदेशालय की ओर से राज्य के समस्त नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारियों को पत्र जारी कर फेरी एवं ठेली वालों का विवरण जुटाने व पहचान पत्र जारी कर इन्हें अनिवार्य रूप से ठेली/फड़ पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी विकास निदेशक नितिन सिंह भदौरिया की ओर से इस संबंध में समस्त नगर निकायों के नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारियों को पत्र जारी कर अपेक्षा की गई है कि वे अपने क्षेत्र में कार्यरत नगरीय फेरी व्यवसायियों की फेरी/ठेली में पहचान प्रदर्शित करने हेतु विवरण जुटाएं। पहचान पत्र में फेरी व्यवसायी का कोड, नाम, पता, फोटो अंकित होने के साथ ही परिवार के किसी भी नाम निर्देशिता का नाम, श्रेणी (स्थिर या चल) के अतिरिक्त फेरी क्षेत्र जहां परिचय पत्र स्वामी को स्थिर या चल फेरी की अनुज्ञा के साथ ही अनुज्ञति कि विधिमान्यता का विवरण मांगा जाए। पत्र में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि नगर के समस्त फेरी व्यवसायियों को फेरी-ठेली वालों को पहचान पत्र जारी कर अनिवार्य रूप से इसे प्रदर्शित करना होगा।

दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाने का किया विरोध

चमोली : दिल्ली में केदारनाथ का प्रतीकात्मक मंदिर बनाने के विरोध में बुधवार को जोशीमठ में कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। श्रीराम चौराहे में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिल्ली में निर्माणाधीन केदारनाथ मंदिर के शिलान्यास में जाना सनातन धर्म और हिन्दु धर्मावलंबियों के साथ खुला धोखा है। प्रमुख हरीश परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के शिलान्यास में जाकर यह सिद्ध कर दिया कि भाजपा हिन्दू धर्म का मात्र चुनावी उपयोग करती है। वास्तव में भाजपा का हिन्दू धर्म व इसे मानने वाले लोगों की भावनाओं से कोई लेना देना नहीं रह गया है। कहा कि सरकार चारधाम यात्रा का स्वरूप तक बदलने का प्रयास कर रही हैं। सरकार चारधाम यात्रा को कुमायूं तक ले जाने की योजना बनाने में लगी हैं जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। (एजेंसी)

केदारनाथ मंदिर प्रकरण पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

विकासनगर। दिल्ली में केदारनाथ मंदिर निर्माण के प्रकरण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विकासनगर में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस के प्रदेश सचिव विकास शर्मा ने कहा कि तीर्थ पुरोहित केदारनाथ धाम से सोना गायब होने का आरोप लगा चुके हैं। अब दिल्ली में केदारनाथ धाम की प्रतिकृति बनाई जा रही है। खुद मुख्यमंत्री शिलान्यास कार्यक्रम में मौजूद रहे। यह देश के करोड़ों लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार को माफी मांगनी चाहिए। पीसीसी सदस्य संजय जैन ने कहा कि केदारनाथ धाम 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस

धाम की तर्ज पर अन्य मंदिर बनाना लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा होगा। कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय किशोर ने कहा कि केदारनाथ धाम उत्तराखंड का स्वाभिमान है। देवभूमि के लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना भाजपा सरकार को भारी पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि खुद को सनातन धर्म का रक्षक कहने वाली भाजपा के बड़े नेता इस मामले में मौन साधे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार इसका विरोध करेगी। प्रदर्शन करने वालों में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कितेश जायसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर, निवर्तमान सभासद शम्मी प्रकाश, निवर्तमान राजीव शर्मा, मायाराम, भुवन पंत, डब्बू, सदाकत अली जैदी, डीके बनर्जी, सुरेंद्र शर्मा, तनवीर आलम, हुसैन, सुबोध वर्मा, बलजीत, जावेद, मनोज चौहान, धीरज बॉबी नौटियाल, केके गौतम, मनजीत चावला, अशोक, विरेंद्र सिंह, हाकम सिंह आदि शामिल रहे।

नशे के दुष्प्रभाव पर जागरूकता रैली का आयोजन

देहरादून।माउंटेन चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन की ओर से शास्त्रीनगर बस्ती में एवरेस्ट बाल संगठन के बच्चों के साथ नशे के दुष्प्रभाव पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। बच्चों के द्वारा शास्त्रीनगर खाला से पीर की माड़ी कांवली तक रैली निकाल कर नशा ना करने के लिए नारों के माध्यम से जागरूक किया गया। दि नैनीताल बैंक के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने शपथ भी ली की वो कभी नशा नही करेंगे और अपने दोस्तों को भी नशा न करने के लिए जागरूक करेंगे। इस दौरान एमसीएफ से दीपिका पंवार, संगीता रावत, तृप्ति शर्मा, अंकुर व अमित, एवरेस्ट बाल संगठन से राशि, भावना, रागिनी, नेहा, दुर्गा, अमन, रणवीर, कुनाल, अर्जुन, सौरभ आदि मौजूद रहे।

सावन मास की संक्राति से पौराणिक जागरों का गायन शुरू

रुद्रप्रयाग : रांसी स्थित मां राकेश्वरी मंदिर में सावन मास की संक्राति से पौराणिक जागरों का गायन शुरू हो गया है। करीब दो माह तक चलने वाले जागरों का समापन राकेश्वरी मां को ब्रह्म कमल अर्पित करने के बाद किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मद्महेश्वर घाटी के रांसी गांव में स्थित सिद्धपीठ राकेश्वरी मंदिर में हर साल सांय कालीन आरती के बाद पौराणिक जागरों के गायन की परम्परा है। राकेश्वरी मन्दिर समिति अध्यक्ष जगत सिंह पंवार ने बताया कि राकेश्वरी के मन्दिर में पौराणिक जागरों का गायन पौराणिक परम्परा के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना के साथ शुरू हो गया है। सभी देवी देवताओं के आह्वान के साथ विश्व समृद्धि व क्षेत्र के खुशहाली की कामना की जा रही है। बदरी केदार मंदिर समिति पूर्व सदस्य शिव सिंह रावत ने बताया कि जनपद के मद्महेश्वर घाटी के राकेश्वरी मन्दिर में ही पौराणिक जागरों की परम्परा जीवित है। शिक्षाविद् वीपी भट्ट ने बताया कि मंदिर में पौराणिक जागरों के गायन से दो माह तक रांसी गांव सहित मदमहेश्वर घाटी का वातावरण भक्तिमय बना रहता है। पौराणिक जागरो के गायन की परम्परा सदियों से चली आ रही है। ग्रामीण पौराणिक जागरों के गायन की परम्परा का निर्वहन आज भी निस्वार्थ भावना से करते आ रहे हैं।

नगर निगम स्मार्ट सिटी का सफाई मॉडल अपनाने को तैयार

देहरादून। नगर निगम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने, सफाई वाहनों की मॉनीटरिंग के लिए तैयार सफाई मॉडल को अपनाने के लिए तैयार है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि जल्द स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ इसे लेकर बैठक होगी। ताकि व्यवस्था लागू हो सके। स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से आईटी पार्क में देहरादून इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीआईसीसीसी) स्थापित किया गया है। करीब तीन सौ करोड़ के लागत से बनी इस बिल्डिंग के जरिए विभिन्न विभागों के लिए ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है, ताकि सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ आम जनता को मिल सके। ट्रैफिक कंट्रोल और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने में यहां से बड़ी मदद मिल रही है। नगर निगम के सौ वार्डों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना और सफाई वाहनों की निरंतर मॉनीटरिंग करना इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। करोड़ों रुपये का बजट खर्च कर स्मार्ट सिटी ने निगम के लिए नए सफाई वाहन खरीदे। विशेष तौर पर एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया। लेकिन दो साल पहले नगर निगम ने इसमें खामियां गिनाकर कुछ बदलाव की मांग की। इसके बाद स्मार्ट सिटी की टीम ने सफाई मॉडल में कुछ बदलाव भी किए, बावजूद अब तक निगम ने इसे नहीं अपनाया। जबकि सॉफ्टवेयर पर लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं। शासन ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम को स्मार्ट सिटी के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक भागीदारी जरूरी

देहरादून। पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग और क्लामेट चेंज के कारकों से निपटने के लिए पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता है। ये बात माध्यमिक शिक्षा निदेश-ाक महावीर बिष्ट ने हरेला के उपलक्ष्य में धाद स्मृति वन में माता पिता की याद में पौधारोपण के दौरान कही।उन्होंने पत्नी निरुपमा बिष्ट के अपनी मां स्व. कृष्णादेवी और पिता स्व. जोत सिंह बिष्ट की याद में ये लगाए। उन्होंने कहा कि स्मृति वन जहां एक ओर हमारे पूर्वज को सच्ची श्रद्धांजलि है, वहीं दूसरी ओर आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन के लिए भी प्रेरित करती है। उन्होने सुझाव दिया कि धाद संस्था स्मृति वन में यदि भविष्य में उन्ही पौधो को रोपित करे जो इस पर्यावरण के अनुकूल हों तो ये स्मृति वन पर्यावरण संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तराखंड हमेशा इस तरह के पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम में धाद संस्था के साथ खड़ा है और उसे अपना पूरा सहयोग देगा।

कांवड यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं पूरी करें : डीएम

नई टिहरी : कांवड़ यात्रा को लेकर नगर पालिका सभागार मुनिकीरती में बुधवार को डीएम मयूर दीक्षित ने बैठक ली। बैठक में आयोजित बैठक में बुधवार को डीएम मयूर दीक्षित ने सुरक्षित कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों को विगत अनुभवों के आधार पर कावड़ यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त करने को निर्देशित किया। बैठक के बाद डीएम ने कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

बैठक में डीएम ने कावड़ यात्रा को लेकर विभागीय नोडल अधिकारी एसडीएम नरेंद्रनगर को रिपोर्ट करने को कहा। पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर कार्मिकों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। एसडीएम को सभी सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों की समय-समय पर मानिटरिंग करने को कहा गया। सभी जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक कर ब्रीफ करने को भी कहा। इसके साथ ही यात्रा के पीक पर होने पर स्कूली छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टिगत बीईओ को स्थिति के अनुसार कावड़ क्षेत्र में अवकाश घोषित करने को कहा गया। सिंचाई विभाग को घाटों पर कार्मिकों की तैनाती करने के साथ ही सुरक्षा चैन एवं साइनेज लगाने, ऊर्जा निगम को ईओ नगर पालिका के साथ संयुक्त निरीक्षण कर शार्ट सर्किट को लेकर चेकिंग करने, खाद्य विभाग को दुकानों व ढाबों में रेट लिस्ट चस्पा करने, पेयजल विभाग को पार्किंग स्थलों और शौचालयों आदि में पानी की उचित व्यवस्था करने, ईओ नगर पालिका मुनिकीरती को दो पालियों में साफ सफाई करने तथा अतिरिक्त सफाई कार्मिक तैनात करने के साथ ही साउंड सिस्टम व्यवस्था व लाइटिंग व्यवस्थायें सुनेश्चित करने को कहा। बैठक में डीएफओ नरेन्द्रनगर जीवन डगाड़े, सीएमओ डा. मनु जैन, सीवीओ आशुतोष जोशी, एसडीएम देवेन्द्र सिंह नेगी, ईई सिंचाई कमल सिंह, ईओ नगर पालिका मुनिकीरती तनवीर आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांग्रेस ने केस दर्ज करने वाले दरोगा की जांच की मांग उठाई

देहरादून। कांग्रेस नेता याकूब सिद्दकी के न्यायालय से बरी होने के बाद कांग्रेस इस मामले में मुकदमा दर्ज करने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच की मांग की है।

बुधवार को देहरादून में पत्रकार वार्ता में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ.जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि दुर्भावनापूर्ण तरीके से मुकदमा दर्ज किया गया, यह न्यायालय का निर्णय आने के बाद साफ हो गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com